क्रिंग्रा वनित्री वन्याय नक्षाया उनिति। मष्टार्मिया वन न्पेमाउर्मरूप् । जहाकाराः मिध्मायिरः नद्वायाक्रमण्या अल्याने विकास नित्र विकास करा विकास के करिकारि। भाग हाउँ सिर्गे : मानेक्रियम्मानगरेका लाइ। ी. मानका मिला हिंदी में प्रतिकार में मिला हिंदी हैं कि किया हिंदी हैं ।। व प्रकार हेता हेता है । हिस्सी कि कि है । हिस्स है। अविशील नहार नहीं कि विकल मिक स्टर भिक्छ र छुउस क्लक्नू ध्वायन, भेट दलकु प्रयानि विद्या है मा भावः। स्विधिक छ्रा भारतिक यभन्भन विकार प्रातिक उसे धम चिने लक्षी खंडा यन गय ए य उभा था इंडिंग र सम रीलमारियाम्ग्रेण्याउक्लमयुरंभपुण्यितिभेषुरंग्यन मद्भारतिका भगवानिष्कथ्याना सन्य क्रायनवा भेजुङ्भ मिल्यंनपर्हेरणनथार्थक्थर्म् सिन्ध्यराप्रकारि में कंभयुर्क्तनक्ष्रमेल्बलीश्रेमलभीलभुमिक्तिभद्धलीपक्रि भयुज्यकिष्ट्रिकानेमिकिंग कड्ड एरिम् लभे युज्यस्य प्र अन्दर विद्वपूरिभ युउँ सिक् एं अस्प सम्मण्य स् धारियमधारकी अंख े उति । उति । अधारिक एप मरे इस्पिन म्याविष्ठपुरे हिना भाउत्वर्गा

भष्टकलम् ३िष्ठः।। यमब्यु म् वन्भारिः धिवनि भरिष्ट किरमीधाथिभागः सन् । अवीरम्भी रिकीसभने बाउवमण्ड मुभारा ॥ मुयंद्रः। वंत्रभ हिर्वितिक्षाः द्रुपः ००।। मल्यानिहिराः कारोनेसमामिक्सम् । ध्विट = इन्हें मग्राप्त्र क मसम्में भष्टे मिन्न । मिन्न । मिन्न । यभ राजा । भणा उद्भागमार्थितिक ।। गल्यायाम प्रकृषः हमका स्थार साधिन व भूम ३ थाषिष्टे = इन्य ० - अद्या वंभाया वर् अभिरायभागमाया भविष्टे = इन्ये दः मुर्ने । धारपड्रेशियाः ः मिविव भाउ भाने क स्थमा भना निवा उस्किन्निक्रिक राज्यान मान्या हुए METHO रेक्ट करी मा ५३।३।।

ि सुवाह्याः गल्मिथः रज्ञवने निधभीमगला प्रवाः ज्ञभूषं मुलावेले जाभपरभा ।। यहभावाकियां भि वि मुप्डाभन्द्रिका मुझामार्गमभाया उत्तर्गा मक्युत्तरी नी प्रमाख् वश्च प्रचा । वराक शिव्य रेगा भक्ष मेरी भ वश्रीभा मी भूमविद्वशङ्खिमच क्रमवर्थम उम्मद्व भवाग्भेग्मव्यानां इभम्भामान्य थवा क्रम् एकिम्बेवरा मिनुभम् मिल्ए भ्रुड्डक इियमच मभन्धे क्रम्णभा मिरागिरः देशमञ् विस्कृता। प्रका र्कालक्रभ निष्वूभा कंभार्भनभभगाउँ के ज्यु के में हिउभी ग्जावने रक्षामवाना । पुरा विद्वितिया भीउन्ने भूगे जिस् । । चुवाक रेम्रा युक्स ॥ चु बाक्याधक्यां महामाथ एउन्हर्म ॥ चेम्लिक माना ॥ चुवाक्याधक चुक्ताक भूममी धृष्ठिभा एका वनभभग्रुद्धभच्छ्रास्मिभ्रुष्णया भीडवत्र्र्ध्य थचउ।। पुवाल, रज्ञे वझ्यनरड्मा मज्ञिक अंडे अप यम्ययंगिमिभ्रणया रच्यतं ,मधिशिपुर्गा चुवाल, एक्रवास्ताभक्ता वन्न विधाभनभागुरुम पुल्येक्यानक्भा व्यक्ष्यलभक्षा स्पा भक्षात्रभा विनिध् यभमगाप्त्। चवाक निर्दे क्र अधिगडमा प्रकृपालिभेक्ष ग्रमभ्यभाष्ट्रभ मठवंडा नीलवन्त नीलभूष्मा विल याच्यावी युवाक विकास या मन्या के भारत में उड़े हैं। यिक् कर्णभक्रणभनं नीलवेल । उच्छमे ॥ मु व्यक्त वर्यक्ष्मणागिकाभी क्रिक्णभनभाग क्षेत्रज्ञ सः अमेहन्भा र ज्येल यण्याया । प्रान्धन मुभागुरु न्द्रवर्भः श्रमिष्ठिमा न्द्रवन्त्र भेभेगत् ॥

Collection of 81 Year Old Dina Nath Raina, Jammu. Retired Priest. चुवाक रमानंस इरेमियभा मर्ड इस्मियंस्थेन क्षिभ्रह्मरभा मुलावन्त्र, रसानाद्वाः॥ "मुवादः इक्रालक्षेत्रमुखं क्रियम्भभगंद्रवज्ञव्युल मीठउभा रज्ञवत्व रक्ष्मण्यून्। चुवा ठामव विश्वर्थिण 'वास्मावंद्राधी क्रमभाग्यंभन्धम न्भ मउन्ज्ञ म् उन्हें क्या ग्रुव वर्णभी थाउ भूगपनि उचनभाना विक्र धिउभा विनि वषद्विष्ठ्र ॥ वयनागः ॥ / व्रवाद्याभक मुझ्यज्ञलनायक्भा मनच्मधनाग्यय अकिउमकेउम् धस्ममवभक्षायमक्ष्किए मस्यानक्सा एउनागाः भ्रथ्या मुन मर्थकी दिंगः विल पत्रनागेः॥ पुराक नभवज्ञेड्यम् राष्ट्रभन्धाः च्याकिरा रूपा च्छ्र प्रमुख्य ॥ सम्बद्ध चुराल राचभारजार । चुराहा ॥ चुरा, मचुने मुल्व यार्गाभानि॥ चुवाल लिकार्य की भाग भक्रयुरुणभूमचम्युर्ण्युम् क्रुवभी वज्रव मध्ये भाग । मुवर वर्ष विम विवचनभी मीथकंसे अवस्थानाया किसे रीरक्भा पाउच्ते तेएभिम् ॥ अवा व क्रिश इंग्रेडिभी मचुनाभर्म ग्रमस् गिक्रामा , भाउचन्त्र , था अनुकार्त्र । सुकार्त्र । रुग्नचेम्ह्यिकाउभ न्युग्लेयुग्मचय जिल्लाभियारेणउभी मुलावल मन्द्रित सवाय मदम्यभागना भगकः गरमन् भित्र किनाभा गुलम मक्भा गुलगहिचम्ब भ्याउं:॥

चुवाक्रयामंची मारिकाथन्म खरीभा ,क्रिकिंग भचिभिद्यानिष्धिस्टिक्ष्यानिक्त, पुराभद्यमथक्रु॥ पुरा राभेमचेभळश्रुंभा हिल्मनंग न्याप्रभम्मप्रभा दुस्मेर ॥ प्रवास्त्याध क्रमवीरम्हा राष्ट्रा समाचिनी इउस्रम्भिम्ह भ्राभिक्षभनव्यभिष्ठिभा , इम्मर्क्य ॥ चुचार इउमें ब्रुड भविडभ इउ दि डिक्र इडिभिड इडिभ मंभापं । अभवं ॥ मुचाकवर्धकंमची दुला थचउराभनीमा शुलाशायीभक्र विधनामि नीभचकाभमा भिकाभनिधुउंनिड भचमू निअमिनीभा डिसुलमहार्गर्भिण्डिलीये रभंडरी रज्ञवनी। युवा भक्रामवंभक्राण भूभा भक्ताचाधिकुंक्ना भूदंकिए पूर्विष्ठभा भेलेपूलन्समचुग्री भूजए नियनि शिकिः भूड धिउंचाभगयाभे छा इधिउचियूकमे दमभर्त चुव्कयाभक्रमंती चुक्रमंभक्यक्रमंभ इस कुरीभइयद्धामङ्ग ण महयद्भीमा रंडावेले मुक् गार्थंशैविसभ्यानि क यउप्रमुठ्॥ भग्भनिक्षान्त्राध्यभग्नचक्रिनाभा रह विद्वभद्धमण्नव्या भचकाभमाश विद्व मिनियरभेग्म हिन्तिसंद्रियानी धराहरव में काषिश्वनानक्षिण्काभी भमामिवधमानुः भूग्यरभगभाउमायनीयो माजिइयायग्रेमिहिया ी शिन्तित्थवभण्डामां अर्थे । विष्ठक्रिः ॥

मीः